विद्यालय के पाठ्येत्तर क्रियाकलाप के विकास में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

विद्यालय नेतृत्व अकादमी

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़

रायपुर-492007

संरक्षण एवं मार्गदर्शन

श्री राजेश सिंह राणा (आई-ए-एस)
संचालक
एस-सी-ई-आर-टी- छत्तीसगढ़ रायपुर

डॉ- योगेश शिवहरे
अतिरिक्त संचालक
एस-सी-ई-आर-टी- छत्तीसगढ़ रायपुर

श्रीमती पुष्पा किस्पोट्टा
उप संचालक
एस-सी-ई-आर-टी- छत्तीसगढ़ रायपुर
एवं
प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान-कोरबा

समन्वयन

श्री डी-दर्शन
नोडल अधिकारी स्कूल लीडरशीप अकादमी
एस-सी-ई-आर-टी- छत्तीसगढ़ रायपुर

माड्यूल लेखन समन्वयन

श्री गौरव शर्मा

लेखक

धरम लहरे
राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता
शा -उ-मा-वि-कोथारी
जिला-कोरबा-छत्तीसगढ

<u>शीर्षकः-</u> **विद्यालय के पाठ्येत्तर क्रियाकलाप के विकास में विद्यालय प्रमुख की भूमिका।**

<u>मॉड्यूल के क्षेत्रः</u>- छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला के विद्यालयीन प्रमुख।

<u>उद्देश्यः</u>- 01. बहुआयामी जीवन कौशल, व्यक्तित्व को सुधारने, प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उनमें जीवन कौशल व प्रतिनिधित्व क्षमता का गुण पैदा करना।

02. विद्यार्थियों के बौद्धिक ज्ञानात्मक विकास के साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक कौशल का विकास तथा खेलों में रूचि पैदाकर टीमवर्क के साथ कैरियर निर्माण कराना।

03. विर्द्यार्थयों में सह संरचनात्मक क्रियाकलापों, कला, अभिनय के प्रति रूचि उत्पन्न कर सही मार्गदर्शन करना।

<u>की-वर्ड्सः</u>- बहुआयामी, जीवन कौशल, सह संज्ञानात्मक क्रियाकलाप, टीमवर्क, ज्ञानात्मे विकास, कैरियर निर्माण।

<u>प्रस्तावनाः</u>- किसी भी विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ, आदर्श, आकर्षक एवं जीवंत बनाने के लिए अध्ययन अध्यापन के साथ-साथ पाठ्येत्तर गतिविधियो की निर्णायक भूमिका होती है। विद्यालयीन पाठ्येत्तर गतिविधियां आवश्यक ही नही अपितु अनिवार्य होती हैं। विद्यालय में आयोजित गतिविधियों की सफलता प्रभारी अध्यापक का कर्मठता के साथ-साथ सहयोगी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहयोग एवं टीम वर्क पर निर्भर होती है। परन्तु इन सभी गतिविधियों के संचालन, मार्गदर्शन प्रोत्साहन के लिए नेतृत्वकर्ता विद्यालय के प्रमुख की भूमिका मुख्य होती है। वह सभी पहलुओं को मद्देनजर रखते हुये सामंजस्य बैठाकर संचालन करता है। इस मॉड्यूल के माध्यम से छत्तीसगढ़प्रदेश के स्वस्थ नवाचार युक्त शैक्षणिक माहौल में किस तरह पाठ्येत्तर गतिविधियों से विद्यालय में स्वस्थ, मनोरंजनात्मक, सृजनात्मक, अनुशासनात्मक टीम वर्क तथा नई ऊर्जा का संचार होता है, और विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारकर कैरियर बनाने में अग्रसर होते है। विद्यालय

प्रमुख इन सभी गतिविधियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में कैसे अपनी प्रेरणादायी योगदान देने में समर्थ होगें।

पाठ्येत्तर गतिविधियों के संचालन संवर्द्धन, संयोजन और सम्पादन हेतु मुख्य रूप से दैनिक साप्ताहित तथा मासिक प्रारूप बनाये जाने चाहिए, दैनिक प्रारूप के लिए प्रार्थना सभा, साप्ताहिक प्रारूप के लिए बाल सभा, क्षेत्रीय पारम्परिक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय खेल कूद की तैयारी, पर्यावरणीय उद्यान का सौंदर्यीकरण व विलुप्त होते औषधीय पौधों के संरक्षण कर हर्बल देशी दवाईयों का संरक्षण, मासिक प्रारूप के लिए प्रदर्शन खेल उत्सव व साहित्य गतिविधियों, बालिका मंच, सदन बैठक, वार्षिक प्रारूप के लिए क्वीज प्रतियोगिता, बाल आनंद मेला तथा शालेय वार्षिक सांस्कृतिक संध्या जैसे रचनात्मक प्रारूप रखे जा सकते है। ये सभी गतिविधियों पाठ्यक्रम से प्रत्यक्ष संबंध नही रखते हों परन्तु विद्यार्थियों के बहु आयामी व्यक्तित्व को निखारने, सुधारने और उनकी छिपी हुई विभिन्न प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने उनमें जीवन कौशल एवं प्रतिनिधित्व क्षमता के विकास हेतु अहम भूमिका निभाती है। फिर क्या इन पाठ्येत्तर गतिविधियों को नजर अंदाज किया जा सकती है ? जी कदापि नहीं।

हमें पाठ्येत्तर गतिविधियों को दैनिक, साप्ताहिक, मासिक तथा वार्षिक रूप में क्रियान्वयन कराकर इन्हें पाठ्यक्रम की गतिविधियों से जोडकर विद्यालय की रचनात्मकता का अभिन्न हिस्सा बना सकते हैं ।

पाठयेत्तर क्रियाकला का अर्थः- पाठ्येत्तर क्रियाकलाप से आशय उन क्रियाओं से है जो पाठ्यक्रम के साथ-साथ विद्यालय में करायी जाती है। इन क्रियाओं का उतना ही महत्व है, जितना कि कक्षा में पढायी जाने वाली पाठ्य वस्तु इन क्रियाओं को ही पाठ्येत्तर या पाठ्य सहगामी क्रियायें कहा जाता है।

पाठयेत्तर क्रियाओं का महत्वः- शिक्षा में मनोविज्ञान के प्रवेश से पूर्व शिक्षा का उद्देश्य केवल मानसिक वृद्धि करना था । उस समय विद्यालयों में किताबी ज्ञान एवं शिक्षा प्रदान की ताजी थी लेकिन आज शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का केवल मानसिक विकास करना ही नही, बल्कि मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास करना है । इसलिए अब विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में

शिक्षण के अलावा अन्य क्रियाओं को महत्व दिया जा रहा है । पाठ्येत्तर क्रियाकलाप का महत्व निम्नलिखित बिन्दुओं से स्पष्ट है-

1. छात्रों में निहित प्रतिभाओं की खोज एवं महत्व
02. अतिरिक्त शक्तियों का समुचित उपयोग
03. शैक्षिक दृष्टि से महत्व
04. विशेष रूचियों का विकास
05. सामाजिक दृष्टि से महत्व
06. नैतिक दृष्टि से महत्व

<u>पाठ्येत्तर क्रियाकलाप के संगठन के सिद्धातः</u>- पाठ्येत्तर क्रियाओं के लाभें को उचित और प्रभावशाली ढंग से उठाने के लिए यह आवश्यक है कि उनका संचालन ठीक प्रकार से किया जाय । इनके प्रभावशाली और उचित संगठन के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है-

01. विद्यालय कार्यकाल में ही इनका संगठन हो ।
02. छात्रों का अधिक से अधिक सहयोग ।
03. शिक्षा और विद्यालय के उद्देश्य का ध्यान ।
04. उचित योजना का निर्माण ।
05. उचित चुनाव ।
06. पाठ्येत्तर क्रियाओं को अध्यापकों के कार्य का एक अंग माना जाय ।
07. अध्यापक केवल मार्गदर्शन करें ।

गांधी जी ने भी इस देश के लिए जिस तरह की शिक्षा की परिकल्पना की थी उसमें पाठ्येत्तर क्रियाकलापों में कला, हस्त शिल्प बहुत महत्वपूर्ण स्थान में थें । बुनियादी तालिम का विचार कला को केन्द्रीय तत्व और महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों के रूप में देखता है जो स्वावलम्बन का आधार है । राष्ट्रीय पाठृयचर्या की रूपरेखा 2005 के पाठ्येत्तर कार्य को राष्ट्रीय फोकस समूह ने भी अपने आधार पत्र में इस पहलू पर जोर देकर कहा है कि प्रत्येक दो सौ भारतीयों में से एक व्यक्ति कलाकार है । पाठृयेत्तर

कार्यो में कला, अभिनय, खेल, गीत संगीत, शिल्प अद्भुत क्रियाओं पर आधारित एक उत्पादन प्रक्रिया है। स्कूल पाठयक्रम में इस बिन्दु पर जोर दिए जाने की जरूरत है साथ ही पाठ्येत्तर कार्य को एक शौक के बजाय व्यावसायिक कौशल के रूप में पढाया जाना चाहिए ।

शिक्षा की उपलब्धता जितनी आश्यक है उतनी ही आवश्यक है उसकी गतिशीलता और सार्थकता, शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो जिससे बच्चे अपने साथियों, समाज और प्रकृति से गहरी संवेदना से जुडे । इसके लिए ऐसे विषयों का चुनाव करना चाहिए जिससे बच्चे की सुक्ष्मतम संवेदनाएं जागृत हो । कला शिक्षा यह कार्य करती है । गीजूभाई, रविन्द्रनाथ टैगोर तथा महात्मा गांधी जैसे मनीषियों का मानना है कि बौद्धिक विकास के साथ-साथ भावना का विकास भी आवश्यक है, ये सभी आज भी प्रासंगिक है। कला सिखने का आशय केवल चित्र, गीत, संगीत या न्त्य नाटक से नही है कला का उद्देश्य बच्चों के चरित्र उनके सामाजिक और सौंदर्य बोध का विकास करना है । कला की बुनियाद बचपन से ही डालनी होगी । जो गला बचपन से ही सध जाता है उसमें गीत संगीत स्वर सदा के लिए समा जाते है । बचपन में ही विभिन्न कलाओं की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षण न कराया जाय तो बडे होने पर कला उन बिरलों को ही मिलती है, जिनमें कुछ विशेष प्रतिभा होती है । हमारा प्रदेश विभिन्न कलाओं, नृत्य, गीत संगीत, कविता, खेल और शिल्यों से समृद्ध है। कक्षाओं में विषयों में इसे कैसे जीवंत किया जाए घ् इसे लेकर हमारी प्रतिबद्धताएं है और चुनौतियां भी बच्चों की आयु क्षमताओं, उम्र के अनुसार कला शिक्षा को लेकर विविध गतिविधियां कक्षाओं में रचनी होगी । यह भी तय करना होगा कि कैसे कला को आगे बढाने तथा इसके सहायता से विभिन्न विषयों जैसे भाषा गणित, विज्ञान, समाजिक विज्ञान आदि की कक्षाओं को रोचक बनाकर सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में उत्पन्न तनाव को कम करें तथा सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित कर सकें । (छत्तीसगढ़ राज्य की पाठ्यचर्या रूप रेखा 2013)

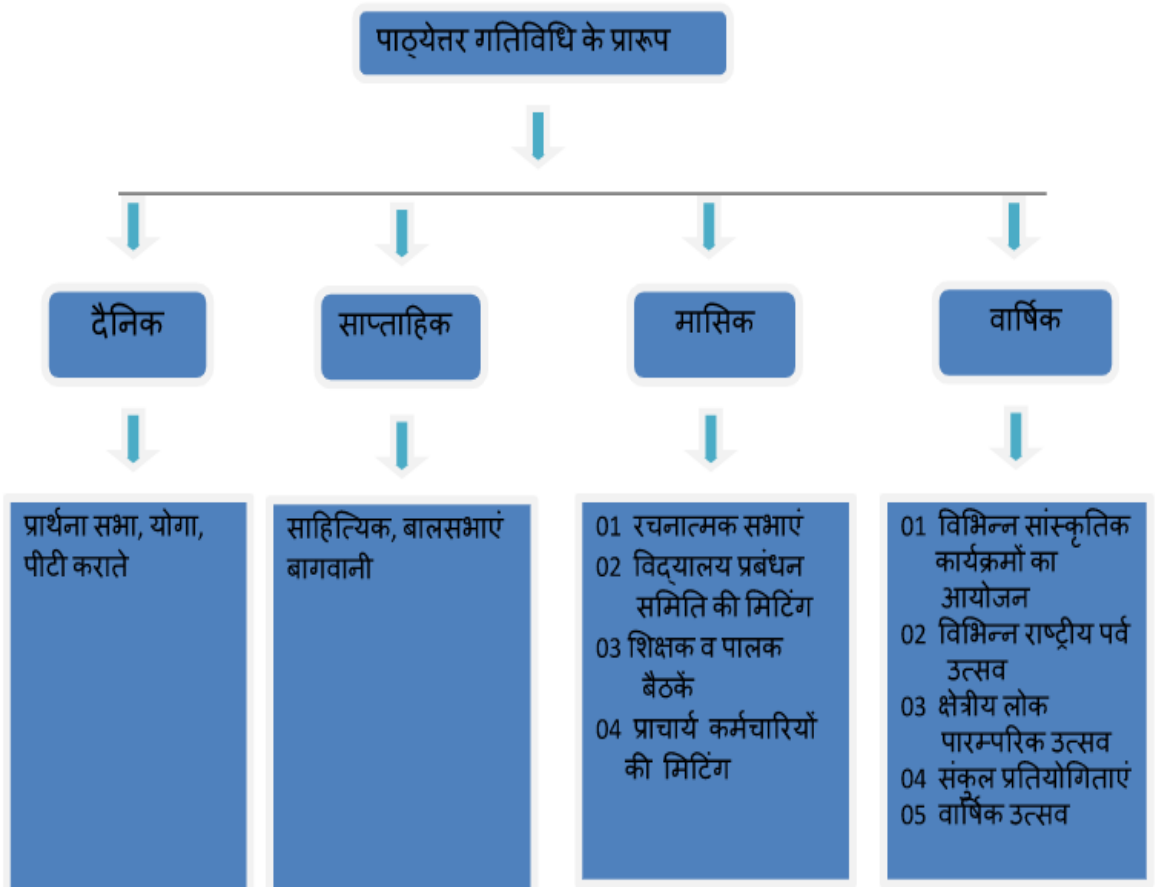

<u>दैनिक प्रारूपः</u>-

<u>01. प्रार्थना सभाः</u>- विद्यालय की दिनचर्या प्रार्थना सभा से प्रारंभ होती है। यह विद्यालय की दिनचर्या का दर्पण है । प्रार्थना सभा के मुख्य अंग है। जिमें बालिका समूह के द्वारा अलग-अलग प्रारूप में कमांड, राज्यगीत, राष्ट्रगान, ईश वंदना, सर्व धर्म प्रार्थना आज के मुख्य समाचार, नीती वचन, आज का सुविचार, आज के सवाल, भारत से संविधान के उद्देशिका का वाचन, संबोधन एवं सूचनाएं आदि होते है जिनके साथ आवश्यक जानकारी के साथ समसामयिक पक्ष जुडते रहते है।

क्वीज में ग्रुप ए ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

करतला। नईदुनिया न्यूज

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोथारी में महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान पाठक आभा शर्मा, व्याख्याता डीएल लहरे विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक रामनारायण ने किया। प्रतियोगिता में बच्चों को चार ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में पुष्पा कंवर, अखिलेश कांत और सागर चंद्रभास प्रथम रहे। ग्रुप डी में संजना दिवाकर, वर्षा चंद्रभास और सृष्टि कंवर द्वितीय स्थान पर रहे। ग्रुप बी के मनीष दास, अनिष कंवर और स्नेहा पाटिल तृतीय स्थान पर रहे। ग्रुप सी के प्रतिभागी पुष्प स्वराज, अनुराग यादव और सोनिया भारद्वाज सम्मानित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय दुबे, भगतराम दिनकर, तुलाराम भारद्वाज, जेपी कश्यप, देविका राठौर का सहयोग रहा।

विशेष

प्रार्थना सभा के चरण

⇩

कमांड

⇩

राज्यगीत

⇩

राष्ट्रगान

⇩

ईश वंदना (सर्व धर्म प्रार्थना)

⇩

आज के मुख्य समाचार

⇩

आज के सुविचार

⇩

आज के सवाल

⇩

भारत से संविधान की उद्देशिका का वाचन

⇩

सम्बोधन

उ.मा.विद्यालय कोथारी
बीरतराई
हार्दिक अभिनंदन करती

<u>02. योगा एवं व्यायामः</u>- दैनिक प्रार्थना सभा में जहां समय-समय पर योग एवं प्राणायाम के महत्व पर प्रासंगिक जानकारी दी जानी चाहिए। साथ ही योगा को विद्यार्थियों को दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बनाने के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रतिदिन नियम से 5.10 मिनट योगाभ्यास कराया जाना अनिवार्य है। भेजन के बाद किये जाने वाले आसन घर पर कैसे और किस समय किए जाएं इसका प्रदर्शन और निर्देशन छात्रों को दिया जाना चाहिये। मुखिया स्वयं इस प्रक्रिया का हिस्सा बने और सभी अध्यापक तथा छात्रों को प्रतिदिन प्राणायाम कुछ सुक्ष्म व्यायाम ऊँ का उच्चारण आदि योगाभ्यास करने एवं करवाने के आदेश दें।

<u>03. मार्शलआर्ट कराटेः</u>- विद्यालय में प्रत्येक दिन आत्म सुरक्षा एवं फिट रहने के लिए विशेष रूप से बालिकाओं के लिए कराटे का अभ्यास प्रत्येक दिन अंतिम कालखण्ड में आयोजित किये जायें और जो विद्यार्थी कराटे में सम्मिलित नही हो रहे है तो अन्य शिक्षक सूक्ष्म व्यायाम करायें।

अमृत संदेश

रासेयो द्वारा छात्राओं के सेल्फडिफे
हेतु मार्शल आर्ट प्रशिक्षण आयोजि

चाम्पा (असं)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बि
छ.ग. से संबद्ध रासेयो इकाई क्रमांक 196 कोथारी, चाम्पा के व
अधिकारी धरम लहरे के मार्गदर्शन एवं कमलनारायण भारद्वाज
के संरक्षण में तथा राज्य रासेयो अधिकारी पदेन उपसचिव उच्च
विभाग रायपुर छ.ग. व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्
जिला संगठक प्रो.योगेंद्र तिवारी के आशीष से नव वर्ष पर बाल

https://youtu-be/zVlZXMmLlT8

04.दैनिक अनुशासन क्रियाएं- विद्यालय प्रमुख का कर्तव्य है कि वह विद्यालय के हर मूर्त अमूर्त गतिविधियों को सूक्ष्मता से देखे चाहे स्वच्छता से लेकर पेड पौधो की सुरक्षा, विद्यार्थियों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पंक्तिबद्ध होकर जाना छुट्टी के समय शोरगुल व भगदड़न मचाना, विद्यालयीन संपत्तियों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान नही पहुुचाना, सीनियर जूनियर विद्यार्थियों द्वारा अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चिित करने के संस्कार डालने के लिए विद्यालय प्रमुख को बहुआयामी प्रेरक उद्बोधन सुनिश्चित करने होगें, उन्हे विद्यालय में अनुशासन का वातावरण बनाये रखने के लिए सूक्ष्म प्रेक्षक होना अति आवश्यक है।

01. सदन प्रक्रिया:- विद्यालय में अंतरसदनीय प्रतिस्पर्धा का रचनात्मक माहौल तैयार करने के उद्देश्य से विद्यालय के सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को चार भागों में बांटने की प्रक्रिया सदन प्रक्रिया है। हर सप्ताह एक सदन विद्यालय की प्रार्थना सभा के सभी प्रभार संभालकर विद्यालय की रचनात्मकता को और ज्यादा समृद्ध बनाने के कार्य को अंजाम देता है। विद्यालय के मुखिया को सबसे पहले चार सदन प्रभारियों को चयनित कर संबंधित उद्देशें पर विमर्श करना होगा। फिर सभी शिक्षकों को इस तरह से

चारों सदनों में विभाजित किया जाय कि सदन विभिन्न गतिविधियों के संपादन के लिए चार संतुलित टीम बन सकें।

विद्यार्थियों को भी इसी उद्देश्य से अनुक्रमांक के आधार पर सदन अलॉट किए जायें । विद्यालय की दैनिक, सप्ताहिक, मासिक एवं वार्षिक पाठ्येत्तर गतिविधियों की कुशल संचालन के लिए विद्यालय में एक सक्रिय सदन प्रक्रिया बेहद जरूरी है । किस सप्ताह का प्रभारी कौन सा सदन होगा, यह भी सूचित कर दिया जाए। चारों सदनों के नामकरण में भी एकरूपता हो। सदन का नाम महापुरूषों जैसे तिलक सदन, सुभाष सदन, इंदिरा सदन, गंगा सदन, यमुना सदन, सरस्वती सदन वैज्ञानिकों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों या वृक्षों अमलतास, चंदन कचनार आदि के नाम पर रखा जा सकता है। नामकरण के अनुसार ही सदन के झंडो के प्रारूप व रंग निर्धारित किए जाने चाहिए। सदन प्रक्रिया में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि दैनिक सप्ताहिक तथा मासिक कार्यक्रमों के अलावा राष्ट्रीय पर्वों, वार्षिक उत्सव, बाल आनंद मेला, क्षेत्रीय पर्व, जयंतियां तथा अन्य समसामयिक कार्यक्रम की मेजबानी वही सदन करेगा जिसकी प्रभार के अंतर्गत संबंधित आयोजन आये। सदन बैठकों का होना जरूरी है, जिनमें सदन प्रभारी तथा अन्य शिक्षकों द्वारा विस्तार से सदन प्रक्रिया के दौरान होने वाली विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा देने के अलावा विभिन्न गतिविधियों के लिए विद्यार्थियों की प्रतिनिधि टीमों का चयन करना भी जरूरी है । इसी प्रकार बीच-बीच में सदन की समीक्षा बैठक भी सदन प्रक्रिया की दशा और दिशा को विद्यार्थियों तथा संस्थाहित में ले जाने के लिए जरूरी है। वार्षिकोत्सव, वार्षिक खेल उत्सव, मासिक कार्यक्रमों, विज्ञान मेलों, कबाड़से जुगाड़प्रदर्शनी या अन्यकला प्रदर्शनी आदि में संयोजक भले ही विशेष हो किन्तु इसमें सभी सदन के झंडो तथा प्रतिनिधियों को उचित स्थान एवं सम्मान दिया जाए । विद्यालय प्रमुख को चारों सदन के संरक्षक के रूप में सम्मान दिया जाए तथा वे स्वयं चारों सदन का संरक्षण एवं उत्साहित करने के दायित्व को आगे बढाकर निभायें ।

पाठ्येत्तर गतिविधियों संबंधी सीमाएं:-

01 कुछ बच्चों को ही केन्द्र में रखकर बाल सभाओं एवं प्रतियोगिताओ का आयोजन ।
02 अनुशासन को गम्भीरता से ना लेना ।
03 मुखिया पर कार्यभार की अधिकता होना ।
04 विद्यालय के अध्यापकों में टीम भावना का अभाव होना।
05 विद्यालय में कार्यों तथा प्रभारों का समान बंटवारा न होना ।
06 पाठ्येत्तर गतिविधिं की नियमित समीक्षा बैठक के अनुरूप अपेक्षित बदलाव व सुधार न करना ।
07 विद्यार्थियों एवं प्रभारियों को उचित व अपेक्षित प्रोत्साहन न मिलना ।
08 अभिभावकों द्वारा न्यायोचित अपेक्षित सहयोग न मिलना ।
09 मुखिया द्वारा विभिन्न प्रभारों का आबेटन विषय विशेषज्ञता तथा रूचि अभिरूचि के अनुसार न किया जाना ।
10 छात्रों तथा अध्यापकों की गतिविधियों में रूचि न लेना।

मुखिया साप्ताहिक प्रतियोगिताओं के विषय एवं विद्या के क्षेत्र का निर्धारण अपनी उपस्थिति में करें और इनके सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो संशाधनों का प्रबंध करे । मुखिया की उपस्थिति छात्रों एवं अध्यापकों के लिए प्रोत्साहन एवं अनुशासन का काम करेगी।

केस स्टडी(1) :- शासकीय उ.मा. विद्यालय कोथारी, वि.ख. करतला जिला - कोरबा (छ.ग.)

प्राचार्य का नाम- श्री कमलनारायण भारद्वाज

मोबाईल नम्बर- 8305585816

Email id – kamalnarayanbhardwaj382@gmail-com

कांसा, कोसा, कंचन की नगरी चाम्पा के उत्तर में कोरबा जिला के दक्षिण अंतिम छोर में अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्र के पवित्रसतिला बहती धाराओं से मॉ मडवारानी के पैर पखारती अति प्राचीन सम्यताओं और कला जैसे भाऊदास वैष्णव के गम्मत पार्टी नृत्य के प्रसिद्ध गांव कोथारी की विद्यालय निष्क्रिय शिक्षक नेतराम साहू के अरूचि पर्ण व्यवहार व बच्चों में केवल अध्ययन व परीक्षाके भय दिखाकर पाठ्येत्तर क्रियाकलाप को शून्य बनाकर प्रतिभाओं एवं विद्यार्थियों में कला, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं खेल गतिविधियों के महत्व को समझाकर तथा पालकों व शाला प्रबंधन समिति को विश्वास में लेकर सहमति से पाठ्येत्तर क्रियाकलाप प्रारंभ किया, जिसके माध्यम से आज कोथारी विद्यालय गीत संगीत, नृत्य, खेल एवं लेखन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाने में सफल हुआ है जिसका विवरण नीचे तालिका में प्रदर्शित है-

क्र.	वर्ष	प्रतिभागियों के नाम	विधाएं	स्तर	स्थान	पदक
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*	*7*
1	2006-07	कु. बसंती	कबड्डी	राज्य स्तर	द्वितीय	रजत
		कु. प्रमिला	कबड्डी	राज्य स्तर	द्वितीय	रजत
		राजकुमार	कबड्डी	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
2	2007	विद्यालय को	इको क्लब	जिला स्तर	तृतीय	प्रमाण पत्र
3	2007-08	कु. विजयलक्ष्मी	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
		योमदेव	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
		शनि	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
		धीरेन्द्र	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
4	2007-08	कु. विजयलक्ष्मी	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	तृतीय	कांस्य
5	2009-10	राजकिशोर	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	द्वितीय	प्र.प.
6	2010	ज्ञानेन्द्र	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय	तृतीय	कांस्य

				स्तर		
		मंजू विजय	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	तृतीय	कांस्य
7	2012	पुष्पा चन्द्राकर	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	प्रमाण पत्र
		मंजू चन्द्राकर	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	प्रमाण पत्र
		निधि	थ्रोबॉल	राज्य स्तर	तृतीय	प्रमाण पत्र
8	2012-13	अरविन्द	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	द्वितीय	प्रमाण पत्र
		सुमन	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	प्रथम	रजत
		चरणदास	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	द्वितीय	गोल्ड
9	2015-16	चन्द्र कुमार	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	द्वितीय	रजत
		अंजू कुमारी	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	द्वितीय	रजत
		ललित	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	प्रथम	गोल्ड
10	2016-17	अभिषेक धैर्य	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय	प्रथम	गोल्ड

				स्तर		
11	2018	रणजीम	फुटवाल	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
12	2018	करन बरेठ	कराते	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
13	2018	राजेन्द्र भारद्वाज	रस्साकसी	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
		सतीष कुर्रे	रस्साकसी	राज्य स्तर	तृतीय	कांस्य
14	2019	अनुराग यादव	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	तृतीय	रजत
15	2019	कु. सुकृता एवं साथी	लोक नृत्य (शिक्षा, मडाई)	जिला स्तर	तृतीय	प्रमाण पत्र
16	2021	संतू बाबा	थ्रोबॉल	राष्ट्रीय स्तर	तृतीय	कांस्य
17	2021-22	अखिलेश कांत	निबंध	जिला स्तर	द्वितीय	मेडल प्र.प.
18	2023	विद्यालय को	स्वच्छ विद्यालय	जिला स्तर	द्वितीय	मेडल प्र.प.

<u>विचारणीय पश्न:-</u>

<u>प्रश्न 01</u>- एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता के रूप में विद्यालय में पाठ्येत्तर क्रियाकलाप हेतु आन किन-किन चुनौतियों का सामना करते है

.....

.....

.....

<u>प्रश्न 02</u> - विद्यालय के सर्वांगीण विकास में पाठ्येत्तर गतिविधियों की क्या भूमिका होनी चाहिये ?

.....

.....

.....

<u>केस स्टडी (2)</u> :- शासकीय उ.मा. विद्यालय तुमान वि.ख. करतला जिला कोरबा (छ.ग.)

प्राचार्य का नाम- श्री पुरूषोत्तम पटेल

मोबाईल नम्बर- 9302972487

Email id – ppatel030562@gmail-com

शासकीय उ.मा. विद्यालय तुमान का भ्रमण करने के पश्चात् वर्तमान प्राचार्य श्री पुरूषोत्तम पटेल द्वारा विद्यालय की समस्याओं को चुनौती मानकर किये गये कार्य निश्चित ही अनुकरणीय है। विद्यालय में पदस्थ पूर्व के विद्यालय प्रमुखों की तुलना में बेहतर कार्य कर विद्यालय को राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तराष्ट्रीय स्तर पर छाप दिलाई है । पाठ्येत्तर क्रिया कलापों के माध्यम से विद्यालय सर्वोत्कृष्ट विद्यालय के रूप में परीलक्षित हो रहा है जिसकी सूची निम्न है-

क्र.	**वर्ष**	**प्रतिभागियों के नाम**	**विधाएं**	**कहा गये**	**परिणाम एवं पुरस्कार**
1	***2***	***3***	***4***	***5***	***6***
1	अगस्त 2011	प्रवीण पटेल	स्काउड गाइड	स्वीडन अंतराष्ट्रीय जम्बूरी	मेडल
2	नवम्बर 2011	प्रवीण पटेल	अंतराष्ट्रीय युवा सम्मेलन	जापान (टोकियो)	प्रमाण पत्र

3	2011-12	कु. रतन यादव	लोकगीत नृत्य	रायपुर	प्रमाण पत्र
		विनोद यादव	बेस्ट ईको क्लब राज्य स्तर	रायपुर	द्वितीय
4	2011-12	महावीर प्रसाद पटेल	एन.एस.एस. बेस्ट वालिटयर्स अवार्ड	रायपुर	प्रथम
5	2012-13	विद्यालय को	एन.एस.एस. बेस्ट वालिटयर्स अवार्ड	रायपुर	प्रथम
6	2013-14	विद्यालय को	बेस्ट ईको क्लब राज्य स्तर	रायपुर	तृतीय
7	2014-15	कु. संगीता कंवर	एन.एस.एस. बेस्ट वालिटयर्स अवार्ड	रायपुर	तृतीय
		वरूणदेव बंजारे		रायपुर	प्रथम
8	2016	विक्रम सिंह कंवर	10वी. बोर्ड परीक्षा	रायपुर	गोल्ड मेडल 97.2
9	2017	विक्रम सिंह कंवर	डॉ. अम्बेडकर नेशनल मेरिट अवार्ड	रायपुर	प्रथम
10	2019	पुरूषोत्तम	मुख्यमंत्री गौरव अंकरण उत्कृष्ट प्राचार्य	रायपुर	प्रमाण पत्र

<u>विचारणीय पश्न</u>:-

<u>प्रश्न (1):-</u> अधिकांश विद्यालयों में प्रतिदिन पाठ्येत्तर क्रियाकलाप अधिकांश कार्य छात्र-छात्राओं द्वारा किया

जाता है। आपके विचार से यह किया जाना कितना उचित है? यदि हॉ तो इस कार्य हेतु समाज की

नजरिये को आप किस रूप में देखते है?

.....

.....

.....

<u>प्रश्न 02</u> - विद्यालयों में आपके विचार से कौन-कौन से पाठ्येत्तर गतिविधियॉ होनी चाहिए ?

.....

.....

.....

<u>केस स्टडी (3)</u> :- शासकीय उ.मा. वि. उतरदा वि.ख. पाली जिला कोरबा (छ.ग.)

प्राचार्य का नाम- श्री पी.पी.अंचल

मोबाईल नम्बर- 9752537899

शासकीय उ.मा. वि. उतरदा वि.ख. पाली, जिला कोरबा छ.ग. जिले के पश्चिम में धीहड़जंगलो से घिरा दूरस्थ इलाके पर स्थित है जहॉ विद्यालय पाठ्येत्तर क्रियाकलापों में कॉफी पिछडा विद्यालय था जिसे स्काउट गाईड एवं कार्यक्रम प्रभारी राकेश टण्डन के प्रयास से विद्यालयीन प्रमुख के कुशल नेतृत्तव में विद्यालय में विभिन्न प्रकार के पाठ्येत्तर गतिविधियों के आयोजन से प्रतिभाओं को जिला स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय, स्तर पर परचम लहराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिसमें 2023 में विद्यालय की अनु.जाति की छात्रा कु. अकांक्षा सिदार ग्राम धौराभांठा रामपुर की छात्रा कर्नाटक में आयोजित अंतराष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में छ.ग. की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य छत्तीसगढी व्यंजन, आभूषण, वेशभूषा व अन्य छत्तीसगढी कलाकृतियों का प्रदर्शन कर मिसाल कायम कर चुकी है। स्वच्छता के लिए विद्यालय को जिले में स्वच्छ विद्यालय का पुरूस्कार 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस पर्व के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री विनय जायसवाल जी विधायक मनेन्द्रगढ़, कलेक्टर श्री संजीव झा जी, पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह जी, कोरबा नगर निगम के

महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद के कर कमलों प्राप्त हुए हैं। विद्यालय में विद्यार्थियों को मनोरंजनात्मक गीतमय पीटी कराकर फिट रखने की क्रियाकलाप, अध्यापन बोझिल न हो तथा स्वस्थ्य मस्तिस्क के लिए एनएसएस के माध्यम से छत्तीसगढी में एक ही नल से पानी भरने का महिलाओं में होने वाले मय आगे मय आगे झगडे का नमूना खेल द्वारा प्रदर्षित, यातायात के नियम बताने के लिए सडक सुरक्षा गीत, छत्तीसगढी लोक गीत नृत्य, गठपुतलि डांस का आयोजन, कबाड़ से जुगाड़ विज्ञान प्रदर्शनी, पोषण जागरूकता हेतु प्रदर्शनी, पेंटिंग पोस्टर प्रतियोगिता, विज्ञान गतिविधियां आदि पाठ्यत्तर क्रियाकलापों के माध्यम से विद्यालय प्रमुख नवाचारों को जोडकर विद्यार्थियों में स्वस्थ मनोरंजनात्मक आनंदप्रद षिक्षा प्रदान कर रहे हैं। जिनके गतिविधियों से प्रेरित होकर जिले के अन्य विद्यालय भी अपनी विद्यालयों को सजाने संवारने लगे हैं।

<u>चिंतन के प्रश्न (1)</u> :- आपके विद्यालय में पाठ्येत्तर क्रियाकलाप के क्षेत्र में कौन-कौन से नवाचार कर सकते हैं ?

.....

.....

.....

<u>प्रश्न 02</u> - विद्यालयीन प्रक्रियाओं में पाठ्येत्तर क्रियाकलापों को अन्य विषयों से सह संबंध बनाते हुए कैसे शामिल किया जा सकता हैं ?

.....

.....

.....

<u>पोस्टर पेंटिंग प्रदर्शनी</u>

पोषण आहार क्रियाकलाप प्रदर्शनी

अमृत संदेश

उतरदा की छात्रा आकांक्षा अंतरराष्ट्रीय कल्चर जंबूरी कर्नाटक में करेंगी कोरबा का प्रतिनिधित्व

अमृत संदेश । हरदीबाजार

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उतरदा में अध्ययनरत आकांक्षा सिदार आदिवासी बाहुल्य ग्राम धौराभाठा रामपुर की निवासी है। अंतरराष्ट्रीय स्काउट्स एवं गाइड्स के अंतरराष्ट्रीय कल्चर जंबूरी में कोरबा जिले की अन्य प्रतिभागियों के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोकगीत लोक नृत्य, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, आभूषण तथा वेशभूषा एवं कलाकृतियों का प्रदर्शन करेंगी। साथ ही अन्य राज्य तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर से आए स्काउट्स एवं गाइड्स तथा रोवर रेंजर्स के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कला के आदान-प्रदान में अपनी सहभागिता निभाएंगी। दक्षिण भारतीय ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर उनके महत्व के अध्ययन का भी मौका मिलेगा। उनके इस कार्य के लिए संस्था प्रमुख पी.पी. अंचल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उसने अपने माता-पिता, अपने गांव तथा जिले का नाम रोशन कर गौरवान्वित किया है। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स पाली विकासखंड के संयुक्त सचिव एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उतरदा के स्काउट मास्टर राकेश टंडन ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि वे कोरबा जिला के संस्कृति, लोक नृत्य एवं लोकगीत तथा विभिन्न वेशभूषाओं का अंतरराष्ट्रीय जंबूरी में प्रदर्शन कर हम सभी का नाम रोशन करेगी। जिला शिक्षा अधिकारी जी.पी. भारद्वाज ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि कोरबा जिला के स्काउट्स एवं गाइड्स ने हमेशा जिला का नाम रोशन करते हुए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करते आ रहे हैं। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य के कोऑर्डिनेटर एवं जिला चीफ कमिश्नर सादिक शेख ने समस्त टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के डीओसी दिगंबर कौशिक, उतरा मानिकपुरी एवं पुष्पा शांडिल्य ने समस्त प्रतिभागियों को बधाई देते हुए अच्छे प्रदर्शन की कामना की।

मासिक प्रारूप :- शाला विकास एवं प्रबंधन समिति की बैठक, अभिभावक अध्यापक बैठक, स्काउड गाइट, रासेयो सलाहकार मिटिंग, सांस्कृतिक क्लब, विधिक साक्षरता प्रकोष्ठ, प्राचार्य स्टाफ मिटिंग, विज्ञान मेला, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मंच, भूगोल क्लब, विज्ञान सेमीनार, इन्सपायर अवार्ड, गणित

क्लब आदि की मासिक रचनात्मक प्रारूप विद्यालय के प्रथम शनिवार को रखना सुनश्चित किया जाय, प्रथम शिनिवार की अवकाश की स्थिति में द्वितीय शनिवार को मिटिंग की जानी चाहिये। इसके माध्यम से एक ओर जहॉ विद्यार्थियों अभिभावकों तथा शिक्षकों के बीच रचनात्मक तालमेल बना रहेगा। शाला प्रबंधन समिति व प्राचार्य की बैठक कुछ समसामयिक ठोस निर्णय लेकर संस्था तथा विद्यार्थियों के हित में कुछ नई पहन प्रारंभ की जा सकती है। इन सभी बैठकों में एक ओर जहॉ पिछले माह की गतिविधियों की बहुआयामी समीक्षा की जाए, वही आगामी महीने का प्रारूप योजनाएं , रणनीतियॉ, बदलाव, प्राथमिकताएं आदि पर विस्तुत चर्चा के साथ सभी की जिम्मेदारी व जवाबदेही सुनिश्चित की जाय। यह सब विद्यालय प्रमुख की इच्छा शक्ति, निर्णय क्षमता तथा नवाचारी जीवन शैली के लिए भी निर्णायक रहेगा। इन मासिक प्रारूपों के आधार पर ही अगले माह की कलेंडर को तैयार कर लिया जाए, जिसमें महीने भर होने वाली गतिविधियों तथा प्राथमिकताओं की जानकारी प्रार्थना सभाओं तथा बाल सदन में भी समय अनुसार दी जा सके। विद्यालय में एकरूपता तथा रचनात्मकता बनाये रखने के लिए भी वार्षिक, मासिक, साप्ताहिक तथा दैनिक प्रारूप अत्यंत आवश्यक है।

विधिक साक्षरता

विज्ञान मेला

खेल उत्सव

मासिक कार्यक्रम

एसएसडी सी मटिंग

स्टॉफ मिटिंग

बालानंद मेला

अमृत महोत्सव के तहत निकली रैली विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

■ नवभारत रिपोर्टर | चांपा.
www.navbharat.news

आजादी के 75 वें वर्षगांठ के अवसर पर अमृत महोत्सव की खुशियां मनाते हुए रासेयो के स्वयं सेवकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे के प्रयास से विधिक साक्षरता शिविर आयोजित की गई. शिविर में पैनल अधिवक्ता लखन गोस्वामी एवं पैरा विधिक स्वयंसेवक निमेश राठौर के आतिथ्य एवं संजीव शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य तथा कमलनारायण भारद्वाज प्राचार्य की अध्यक्षता में नालसा के विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नालसा के टोल फ्री नंबर 15100, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, घरेलू हिंसा, पास्को एक्ट, दहेज प्रताड़ना, गुडटच बेडटच, मोटर व्हीकल एक्ट, टोनही प्रताड़ना सहित विभिन्न कानूनी जानकारियां दी गई. लीगल लिट्रेसी क्लब के विषय पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे ने बालिकाओं को सुरक्षित रहने के तरकीब बताये तथा उनकी सुरक्षा के लिए गुर सिखाने के लिए बालिका कराटे कमांडो से प्रशिक्षण के लिए जिला स्तरीय केम्प लगाने की मांग की. कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र के लेखराम सोनवानी, गणेश राम भार्गव, विकास राठौर, दिनेश जोशी, नित्यानंद यादव, शांतकुमार साहू, रीता चौधरी, अनिता राठौर, जयकुमारी राठौर, अनिता पैकरा, नवनीता जेठानी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए.

¼ii½ **<u>विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति बैठकः</u>**- छ.ग. में पूर्व माध्यमिक शाला के लिए एस.एम.सी. तथा हायर सेकडरी स्तर के लिए एम.एम.डी.सी. का अपना विशिष्ट महत्व है। मासिक प्रारूप में प्रधानपाठक और प्राचार्य के साथ इस समिति के सदस्यों की नियमित बैठक आवश्यक है। विद्यालय प्रमुख कार्यक्रमों की सूची अग्रिम रखे और इन बैठकों को विद्यालय की पाठ्येत्तर एवं पाठ्य संबंधी गतिविधियों से जाडने का प्रयास करें। विद्यालय में उन्हे हर अवसरों पर आमंत्रित करे और उन्हे

विद्यालय का महत्वपूर्ण अंग होने का प्रयास कराये। ये बैठक उस दिन रखी जाए जिस दिन विद्यालय में कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं का आनंद ले और अधिक समय तक विद्यालय में रहें तथा कार्यक्रम में कोई व्यवधान या समस्यायें न आयें इसका ध्यान रखते हुये ग्रामीणो एवं स्टॉफ के साथ रहें।

¼iii½ <u>शिक्षक पालक बैठकः</u>- शिक्षक पालक बैठक के दिन भी स्वस्थ मनोरंजन के लिए कुछ कार्यक्रम चाहे सांस्कृतिक, खेल या उत्सव का आयोजन विद्यालय प्रमुख कर सकते है। मासिक प्रारूप के अंतर्गत पालक शिक्षक बैठक (पी टी एम) निर्णायक भूमिका निभाती है । शिक्षक विद्यार्थियों की मासिक या त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम से पालकों को अवगत करातें है। वहीं उनके खूबियों तथा खामियों के अनुसार रचनात्मक विमर्श करते हैं। कभी-कभी पालकों के साथ ऑनलाईन ई-बैठक की जा सकती है जिससे पूर्व निर्धारित प्रारूप अनुसार संबंधित पालक, शिक्षक एवं प्राचार्य का शामिल होना सुनिश्चित हो सकें।

¼iv½ <u>प्राचार्य व स्टॉफ की बैठकः</u>- विद्यालय के चहुमुखी विकास के यह बैठक भी मासिक प्रारूप में बेहद जरूरी बन जाती है, जिसमें विगत माह की गतिविधियों पर चर्चाए समीक्षा की जाती है तथा भविष्य में आयोजित की जाने वाली कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया जाता है। इससे शिक्षकों के सुझाव और विचार आमंत्रित कर तथा नवाचारों पर चर्चा कर विद्यालय प्रमुख को निरंतर उत्कृष्टता की ओर ले जाने के प्रयोग एवं प्रयास करने चाहिए।

पोषण माह : पौष्टिक आहारों का प्रदर्शन

नवभारत रिपोर्टर ◆ चांपा.
www.navabharat.news

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतिम दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के किशोरी को स्वस्थ्य एवं तंदुरुस्त रहने के लिए संतुलित एवं विविध भोजन की वास्तविक खुराक लेने के संबंध में रासेयो कोषाध्यक्ष के कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे के मार्गदर्शन में अटल बिहारी बाजपेयी विश्व विद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा एवं जिला संगठक योगेन्द्र तिवारी के निर्देशन में पोषण आहार, पौष्टिक चीजों का प्रदर्शन, रंगोली, एवं खाद्य व्यंजनों के विभिन्न स्टाल लगाये गए.

प्राचार्य कमलनारायण भारद्वाज एवं सत्यनारायण ने कुपोषण के कारण, लक्षण व दूर करने के उपाय बताए. गणेश राम भार्गव ने हरी साग सब्जी एवं दिनेश जोशी ने फलों की उपयोगिता की जानकारी दी. प्रदर्शनी में मनीषा, कल्पना, मौसमी, सरिता, निकेश, देविका, आशा, भारती, सुमन, हेमेश्वर, प्रिया, संजना गिरजा, चन्द्रकला, राधिका, राजेश्वरी, कामिनी, वर्षा, रोशनी, रंगोली मेंराजकुमारी, करूणा, हीना, प्रतिभा, दिव्या, योगेश्वरी आँचल, भानी, नीतु, सीमा, सत्येंद्र, ईशा, भगवती, शालिनी, अंजु, पुष्पा, सुरेश, रामचरण, लता, नीतु, सतीश, धनीदास, बिमलेश, सुकृता, दुर्गा देवी, संतोषी, सरस्वती, गीतांजलि, चाँदनी, प्रीति, चैतन्य, मनीष ने भाग लिये. सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन धरम लहरे ने किया.

नवभारत

¼VI½ **<u>सांस्कृतिक प्रकोष्ठ</u>**:- इस प्रकोष्ठ में बाल सदन के माध्यम से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन से चयनित विद्यार्थियों तथा विषय विशेषज्ञ प्रभारियों को शामिल किया जाता है। ताकि पूरे वर्ष विशेष अवसरों पर होने वाले सांस्कृतिक पक्ष में निरंतर विद्यालय को कुछ नया तथा सर्वश्रेष्ठ दे सकें।

<u>वार्षिक प्रारूप</u>:-

<u>(1) राष्ट्रीय पर्वो का आयोजन</u>:- विद्यालय में वार्षिक प्रारूप के अनुसार राष्ट्रीय पर्व जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस पर विशेष आयोजन किये जाने चाहिए। परेड **¼NCC, NSS½**, जुलूस, ध्वजारोहण, तिरंगे बैलून आकाश में छोडना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान विद्यालय प्रमुख समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों तथा शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के स्थानीय निकाय ग्राम पंचायत

या नगर पंचायत के पदाधिकारियों के अलावा अन्य सहयोगी संगठनों

को भी शमिल कर राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करना सुनिश्चित करें ।

<u>गरबा नृत्य के वीडियो का लिंक</u>

https://youtu-

be/EXj8Gmc9wIU

वार्षिकोत्सव के साथ फेयर वेल सम्पन्न

चांपा। प्रतिवर्षानुसार शासकीय उमावि कोथारी में प्राचार्य

छत्तीसगढ़ी नृत्य के वीडियो का लिंक

https://youtu-be/IOLygEUMUs8

(2) सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजनः- विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों तथा वार्षिक खेल गतिविधियों का आयोजन शैक्षणिक सत्र पार हो जाने के बाद खेलों का आयोजन किया जाना चाहिए। छ.ग. में छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेलों को बढावा देने के लिए विभिन्न छत्तीसगढिया खेलों का आयोजन ग्राम पंचायतों, संकुल जोन, ब्लॉक, जिला तथा राज्य स्तर पर आयोजित किये जा रहे है। विभागीय वार्षिक कैलेण्डर तथा विद्यालय के अपने रचनात्मक कैलेण्डर में तालमेल बैठाकर किये जा रहे है। इसमें विद्यालयीन छात्रों को इन प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का अवसर मिलता है। विद्यालय प्रमुख अंतर्सदनीय तथा संकुल स्तरीय तथा अंतसंकुल स्तरीय भी आस-पास के विद्यालय प्रमुखों से बैठक लेकर करा सकते है। ये सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल उच्च स्तर के लिए छात्र चयनित हो जायेगें तथा अन्य बच्चों के लिए स्वस्थ मनोरंजक व प्रेरणादायक होगा ।

(3) **वार्षिकोत्सव**:- विद्यालय की वर्ष भर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा खेलकूद गतिविधियों के लिए विद्यालय प्रमुख स्टॉफ एवं शाला विकास प्रबंधन समिति की बैठक लेकर आयोजन दो या तीन दिनों के लिए करें ताकि खेल कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम शैक्षणिक क्षेत्र में निबंध लेखन क्विज, वाद विवाद, भाषण तत्कालिक भाषण सांस्कृति कार्यक्रमों में सभी प्रारूपों को ध्यान में रखकर आयोजित कर सकते है। शैक्षणिक सत्र के अंत में वार्षिक परीक्षाओं से पूर्व जिसमें रिपोर्ट के अनुसार विद्यालय का नाम, विकासखण्ड, जिला तथा राज्य स्तर पर शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा खेलकूद के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मिलित किया जाए। इन सभी कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार अलंकृत करने तथा विद्यालय की आयामी उपलब्धियों को रेखांकित करने के उद्देश्य से इन प्रतिथागियों को सम्मानित करने के लिए शाला प्रबंधन समिति, अभिभावकगण, जिला, जनपद ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों, विभाग एवं जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों क्षेत्र के विधायक, सांसद अर्थात वर्तमान जन प्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए ।

यूथ 20 जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में अखिलेश को द्वितीय पुरस्कार

नवभारत रिपोर्टर । कोथारी।

युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा यूथ 20 के तहत जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय नशा मुक्त भारत युवाओं का स्वप्न थीम रहा। पोस्टर प्रतियोगिता जलवायु परिवर्तन का वैश्विक परिणाम पर आधारित कार्यक्रम शासकीय उमावि कोरबा में आयोजित किया गया। जिसमें अखिलेश कांत पिता सुखीराम कक्षा 11 वीं ने निबंध लिखकर जिला में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शासकीय हायर सेकैंडरी स्कूल कोथारी के अखिलेश कांत मेधावी छात्र है। मुख्य अतिथि डॉ. सूर्यनारायण केशरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यक्रम के अध्यक्ष संतोष राठौर, विशिष्ट अतिथि दिनेश सोनी, डॉ कुमार पुष्पेश, प्रो वाईके तिवारी रासेयो जिला संगठक, संजय कुमार अग्रवाल खंड शिक्षा अधिकारी, विनोद सोनकर, प्राचार्य इन्दु अग्रवाल की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह, मेडल एवं आकर्षक उपहार प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता श्री लहरे को कृष्णा जायसवाल के 13 वीं पुण्यतिथि पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोथारी हायर सेकेंडरी स्कूल को किया गया पुरस्कृत

मड़वारानी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोरबा द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में मापदंड के अनुरूप कराये गये स्वच्छता के पैमाने को ध्यान में रखते हुए जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार के लिए कोथारी हायर सेकेंडरी विकास खंड करतला को महेन्द्रगढ़ के विधायक विनय जायसवाल व मुख्य अतिथि कलेक्टर संजीव झा की अध्यक्षता, महापौर राजकिशोर प्रसाद, पुलिस अधीक्षक उदय किरण द्वारा राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता धरम लहरे को पुरस्कृत किए। विद्यालय को हर दृष्टि से स्वच्छ बनाने में प्रत्येक कर्मचारी, शिक्षक तथा विद्यार्थियों के समन्वित प्रयास और मेहनत के बदौलत प्राप्त हुआ है।

बालिका सम्मान व निबंध प्रतियोगिता आयोजित

कोथारी। शासकीय उमा विद्यालय कोथारी के कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे के संयोजकत्व में राज्य एनएसएस अधिकारी, उपसचिव डॉ नीता वाजपेयी, डॉ मनोज सिन्हा व जिला संगठक वाईके तिवारी के निर्देशन में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान अजय दुबे, दिनेश जोशी, कमलेश साहू, टीना, अखिलेश, आशीष, मृत्युन्जय, रीता चौधरी और कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे ने सुकन्या समृद्धि पर विस्तृत प्रकाश डाला। सभी स्वयं सेवकों ने समूह में सभी बालिकाओं को बुके भेंट कर सम्मानित किया।

<u>सांस्कृतिक प्रकोष्ठः</u>- इस प्रकोष्ठ में बाल सदन के माध्यम से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों तथा विषय विशेषज्ञ प्रभारियों को शामिल किया जाता है, ताकि पूरे वर्ष विशेष अवसरों पर होने वाले सांस्कृतिक पक्ष के विद्यालय निरंतर कुछ नया तथा सर्वश्रेष्ठ दे सकें ।

(4)ब्लॉक] जिला] राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएः- शिक्षा विभाग में शैक्षणिक खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढावा देने के लिए तथा विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक किया जाता है] जिसमें सांस्कृतिक उत्सव] कला उत्सव] प्रतिभा खोज कार्यक्रम] बाल विज्ञान कांग्रेस] विज्ञान प्रदर्शनी] गीत प्रश्नोत्तरी] सडक सुरक्षा प्रतियोगिताए] बाल संसद] युवा संसद कार्यक्रम] हसदेव महोत्सव] उरपा महोत्सव] पाली महोत्सव] राज्य स्तर पर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव] कला महोत्सव] पुस्तक मेला] शिल्प महोत्सव] रावत नाचा महोत्सव] छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक विरासत में समृद्ध है । राज्य में एक बहुत ही अद्वितीय और जीवंत संस्कृति है । राज्य के जन जातीय क्षेत्रों के विद्यालयों के साथ-साथ अन्य शिक्षा संस्थानलयबद्ध लोक संगीत] नृत्य] नाटक का आयोजन कर यहॉ की संस्कृति में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं । इन नृत्य नाटकों में पंडवानी] पंथी] करमा] सुआ] राउत नाचा] गौरी गौरा नृत्य चंदैनी] बांस गीत] भरथरी] ढोलामारू आदि विश्वविख्यात है।

हर्बल राखी धान, चावल, पैरा मूंग से बनाकर स्वदेशी अपनाने जोर

चांपा. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धरम लहरे ने स्वसहायता समूह के महिलाओं को तथा ऑनलाईन के माध्यम से बालिकाओं को कम खर्च में स्थानीय सामाग्रियों के द्वारा कम खर्च में आकर्षक राखी तैयार कराई. जिससे आत्मनिर्भर होकर स्वावलंबी बनने की कौशल का विकास किया. महिलाओं एवं बालिकाओं ने बाजार के भीड़भाड़ एवं खर्चीली राखियों के स्थान पर धान, पैरा, रंगीन चावल, हरी मूंग, नारियल के पत्ती, रेशा एवं फूल, कंठी, रूद्राक्ष, बटन, मोती, मूंगा, ऊनी रेशमी धागे, बटन, सुनहरी चमकीले पन्नी वलेस, कांच से विभिन्न डिजाइनों के राखी तैयार कर अपने परिवार जनों को रक्षा बंधन पर अपने भाइयों के कलाइयों में बांधेंगी तथा आने वाले समय में इन सजावटी सामाग्रियों से आकर्षक राखी व सजावटी झूमर भी तैयार करेगी. राखी तैयार करने में मंजूलता, आशालता व जानकी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ.

कोरबा जिले में आयोजित शिक्षा मडई के माध्यम से विद्यालय स्तर से चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को बिखेरे हैं। इसी तर्ज पर पूरे प्रदेशों में आयोजन किये जा सकते है। अतः विद्यालय प्रमुख का यह दायित्व बनता है कि विद्यालय की बाल सदनों, बाल सभाओं, के माध्यम से चयनित विभिन्न प्रतिभाओं को इन सभी प्रतियोगिताओं हेतु खंड स्तर पर भेजे विशेषज्ञ प्रभारियों द्वारा इनकी उत्तरोत्तर तैयारी करवाए ताकि ये प्रतिभाए खंड स्तर से राज्य स्तर तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकें ।

पंडवानी

ढोला मारू

पंथी

सुआ

चंदैनी

करमा

राउत नाचा

गौरा

<u>निष्कर्षः-</u> पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम ये विद्यालय प्रमुख विद्यार्थी शिक्षार्थी की प्रतिभा को शिखर पर पहुचा सकता है। पाठ्येत्तर गतिविधियों की दैनिक, साप्ताहिक, मासिक तथा वार्षिक प्रारूप के निधारर्ण निर्देशन संयोजन तथा संचालन में स्कूल मुखिया की केन्द्रीय भूमिका होती है। इन सभी गतिविधियों की कुशल संचालन में शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों का अपना योगदान रहता है ये सभी गतिविधियॉ विद्यालय के शेक्षणिक माहौल को और अधिक समृद्ध एवं अनुशासित बनाने की पक्षधर, पोषक और सजग प्रहरी रही है, बशर्ते इनके प्रति विद्यालय की परी टीम समपर्ण एवं अनुशासन बना

रहे। किसी भी विद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने में विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों के बीच रचनात्मक समन्वय एवं टीम भावना का होना अनिवार्य है, जिसे विद्यालय के प्रमुख एवं स्कूल लीडर उपरोक्त पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त कर सकता है । इन सभी गतिविधियों की सर्वोच्च खासियत है कि पूरा विद्यालय हर रोज एक नई ऊर्जा से सराबोर तथा कुछ नवाचार लिए होता है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शिक्षा विभाग की वार्षिक कैले.डर में होने वाली विभिन्न शेक्षणिक सांस्कृतिक तथा खेलकूद की प्रतियोगिताओं को केन्द्र में रखकर उक्त क्लबों, प्रकोष्ठों, सदनों के माध्यम से विद्यालय अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता है।

<u>संदर्भः</u>- (1) NCF 2005

(2) नई शिक्षा नीति 2020

(3) समर्पण पत्रिका

(4) आकलन पत्रिका

(5) सोन सुखरी पत्रिका

<u>मूल्यांकनः</u>-

¼1½ विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास किस प्रक्रिया से संभव है?

¼2½ विद्यार्थियों की अभिरूचियों के विकास समापन कैसे करते हैं ?

¼3½ मूल्यांकन विद्यार्थियों के किन-किन चिजों को प्रभावित कर सकती है?

¼4½ विद्यार्थियों के मूल्यांकन के कौन-कौन से क्षेत्र हैं? सूची बनाइये।

<u>अतिरिक्त स्त्रोत सामग्री</u>:-

¼1½ छत्तीसगढ़ के लोक गीत नृत्य के प्रस्तुती के लिए उत्साहित छात्राएं -

https://youtu-be/IOLygEUMUs8

¼2½ रस्सा कसी खेल के विडियो का लिंक -

https://youtu-be/dELq_X7G8X0

¼3½ विद्यार्थियों को यातायात के नियमों की जानकारी देने के लिए वाहनों का निरीक्षण तथा वाहन चालकों को समझाइस देने -

https://youtu-be/o0IDVYNU7Bo